http://www.uouonline.com

Total No. of Printed Pages :4] अनुक्रमांक.....

बी.ए.जे.वाई. 101

ब्रह्माण्ड एवं काल

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी0 ए0 -12/16/17

प्रथम वर्ष, सत्र 2019

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न-पत्र अस्सी (80) अंकों का है, जो तीन (03) खण्डों क, ख तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आकाशगंगा का विस्तृत विवेचन कीजिए।

2. अधिमास एवं क्षयमास के स्वरूपों का वर्णन कीजिए।

3. योगों का नामोल्लेख करते हुये योग के सैद्धान्तिक स्वरूपों का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए -
   (अ) अमूर्त्तकाल
   (ब) तिथि
   (स) महायुग
   (द) स्थानीय समय (2 x19=38)

http://www.uouonline.com

http://www.uouonline.com

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरीय वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गुरु के भौतिक स्वरूप का उल्लेख कीजिए।
2. धूमकेतु का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
3. सौर-चन्द्र-नक्षत्र एवं सावन मासों का परिचय दीजिये।
4. अयन कितने प्रकार के होते हैं ? परिचय दीजिए।
5. प्राचीन मतानुसार ग्रहों के कक्षा क्रम को लिखिए।
6. चर एवं स्थिर करणों का तिथ्यानुसार परिचय दीजिए।
7. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा सूर्योदय एवं सूर्यास्त का साधन कीजिए।
8. वेलान्तर किसे कहते हैं? (4 x 8=32)

(खण्ड-ग)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। (10 x 1=10)

1. चन्द्रमा उपग्रह है -
   (अ) सूर्य का
   (ब) गुरु का
   (स) पृथ्वी का
   (द) शनि का

http://www.uouonline.com

http://www.uouonline.com

2. दक्षिण गोल का प्रारम्भ होता है –

(अ) मेषादि से

(ब) मकरादि से

(स) तुलादि से

(द) कर्कादि से

3. एक कल्प में कितने मनु होते हैं –

(अ) 7

(ब) 14

(स) 71

(द) 6

4. उत्तरी ध्रुव प्रदेश में अक्षांश का मान होता है –

(अ) 360 अंश

(ब) 180 अंश

(स) 0 अंश

(द) 90 अंश

5. चर करण है –

(अ) शकुनी

(ब) नाग

(स) गर

(द) किंस्तुघ्न

http://www.uouonline.com

http://www.uouonline.com

6. निरक्षप्रदेश एवं स्वप्रदेश का याम्योत्तर अंतर कहलाता है –
   (अ) कुज्या
   (ब) देशान्तर
   (स) अक्षांश
   (द) वेलान्तर
7. ग्रीनवीच से भारत का घण्टात्मक अन्तर है –
   (अ) 6 घंटा
   (ब) 5 घंटा 30 मिनट
   (स) 5 घंटा
   (द) 6 घंटा 30 मिनट
8. एक नक्षत्र में चरणों की संख्या है –
   (अ) 4
   (ब) 9
   (स) 108
   (द) 12
9. मकर एवं कुम्भ राशिगत ऋतु है –
   (अ) ग्रीष्म
   (ब) शिशिर
   (स) वसन्त
   (द) शरद्
10. तिथि के आधे भाग को कहते हैं –
   (अ) पक्ष
   (ब) करण
   (स) योग
   (द) वार

*****

http://www.uouonline.com